फ्लोरेंस

भाषा भारती

(हिंदी रीडर)

शिक्षक पथप्रदर्शिका

Teacher's Resource Manual

–सुधा महाजन

कक्षा 1 से 5

Modern Publications

फ्लोरेंस भाषा भारती Part-1 Lesson-1 — page-5

1. ई– ईख उ– उल्लू, अ– अनार ऊ– ऊँट

2. आ इ ई उ ऊ

Lesson-1 — page-9

1. आ आ आ आ आ आ ऊ ऊ ऊ ऊ ऊ ऋ ऋ ऋ ऋ ऋ

2. विद्यार्थी स्वयं करें। (Do it yourself) 3. अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ अं

Lesson-2 — page-12

1. ख– खरगोश ग– गुलाब घ– घर क– कमल

2. क ख ग घ ङ

Lesson-2 — page-15

1. छ छ छ छ छ ज ज ज ज ज झ झ झ झ झ

2. विद्यार्थी स्वयं करें। (Do it yourself)

Lesson-2 — page-18

1. ठ– ठठेरा ट– टमाटर ढ– ढपली ड– डाकिया

2. ट ठ ड ढ ण

Lesson-2 — page-21

1. ध– धोबी द– दरजी त– तजबूज थ– थैला

2. द त ध त

Lesson-2 — page-24

1. भ– भवन ब– बकरी फ– फल प– पतंग

2. ब भ फ ब

Lesson-2 — page-30

1. य– यात्री त्र– त्रिशूल क्ष– क्षपाकर ह– हिरण स– साँप श– शेर

2. ल ह र श

Lesson-3 — page-32

1. उ॰ स्वर – अ आ इ ई उ ऊ ऋ
   ए ऐ ओ औ अं अः
   व्यंजन – क ख ग घ ङ
   च छ ज झ ञ
   ट ठ ड ढ ण
   त थ द ध न
   प फ ब भ म
   य र ल व
   श ष स ह
   क्ष त्र ज्ञ

फ्लोरेंस भाषा भारती Part-2 Lesson-2 — page-5

1. उ॰ नल वक फल रथ चल घर बस थन
2. उ॰ नल हल फल जल वन तन थन मन
3. उ॰ क. घर ख. टब ग. भर घ. रथ ङ ढप

Lesson-3 — page-7

1. उ॰ नयन पवन महल कमल सड़क कमल मटर बतख
2. उ॰ नहर शहर डगर मगर कमल कलम कदम कलश
3. उ॰ क. महल ख. मटर ग. शहद

Lesson-4 — page-9

1. उ॰ दरपण उपवन अजगर अदरक बचपन नटखट कसरत थरमस
2. उ॰ बरतन उपवन बचपन गरदन
3. उ॰ क. थरमस ख. शरबत, बरतन ग. अचकन, उपवन घ. टमटम, सरकस

Unit-1 — page-10

1. उ॰ घर महल अजगर
2. उ॰ क. छत ख. दरपण ग. टब घ. शरबत ङ शहद, बरतन
3. उ॰ सड़क फल पवन उतरन शरबत कमल बस अदरक

Lesson-5 — page-12

1. उ॰ ताला छाता माला आम अनार बाजा
2. उ॰ राजा रात हाथ ताला
3. उ॰ आम घड़ा दवात बाद्य कमरा मकान
   जहाज़ अनार बादाम घाघरा कागज़ बादल

Lesson-7 — page-15

1. उ॰ किवाड़ चिराग चिड़िया किसान डाकिया
2. उ॰ शिकार तकिया चिमटा बारिश डलिया बगिया चिड़िया चिराग
3. उ॰ क. किताब ख. डाकिया ग. धनिया घ. डलिया ङ गिरिजा

Unit-2 — page-16

1. उ॰ हिरण किताब माला जहाज़ डाकिया
2. उ॰ गिलास गमला डिबिया डलिया चिड़िया घाघरा चिराग तितली बारिश मिठाई
3. उ॰ क. छाता, ताला ख. बिटिया ग. गिरिजा, पिता घ. पाठशाला

Lesson-8 — page-18

1. उ॰ सीटी खीरा छड़ी दीपक तीर
2. उ॰ चपरासी, इमरती, मानसी, पनीर, नानी, खील, नीलम, परी, की, साड़ी, गीली, इमली, चटनी, जाएगी, मीठी, मिरची, तीखी, थी, खुशी, चाबी
3. उ॰ क. मीठी ख. मछली ग. दिवाली घ. गीता
4. उ॰ तितली बकरी मछली नाशपाती

Lesson-9 — page-21

1. उ॰ साबुन मुकुट मुरली गुड़िया बुलबुल बगुला
2. उ॰ क. चुन-चुन ख. चुहिया ग. नाच-नाच घ. फुर-फुर
3. उ॰ म + ु + ि + न + य + ा = मुनिया फ + ु + ल + व + ा + र + ी = फुलवारी
   स + ु + श + ी + ल + ा = सुशीला म + ु + क + ु + ट = मुकुट
   क + ु + स + ु + म = कुसुम म + ध + ु + र = मधुर

Lesson-10 — page-24

1. उ॰ मूली भालू चूजा रुमाल अंगूर गुलाब
2. उ॰ सूरज दूध झूला आलू अंगूर पालतू जूता नाखून चूड़ा कबूतर तूफान चाकू
3. उ॰ क. भालू, चबूतरे, खून ख. पूनम, आलू ग. रामू, तरबूज़, खजूर घ. नूरी, मूली, ख़रबूज़ा
   ङ काजू, आलू, पूड़ी च. ख़रबूज़ा छ. नाखून ज. चबूतर, चाकू झ. बिरजू, पूड़ी, भालू
4. उ॰ क. सूरज ख. पूजा ग. डमरू घ. झूम-झूम ङ रूपाली च. ख़रबूज़ा छ. पतलून झ. कचालू

Unit-3 — page-26

1. उ॰ ा ि ी ु ू ृ े ै ो ौ ं ः
2. उ॰ आम, काम चीज़, खीर और, कौन चोर, मोर अंगूर, सिंदूर प्रातः, छः
3. उ॰ माला भालू आलू चित्र नृप कोयल दीप चाँद कूलर ताला अंत मृग
4. उ॰ नदी, चील, बुलबुल, तितली, रूमाल
5. उ॰ गली तितली अमरूद झूला कछुआ रुमाल मशीन बुलबुल चूज़ा
6. उ॰ क. चिड़िया ख. मछली ग. मुकुट घ. चुहिया ङ झूम-झूम च. रूपाली छ. चाकू ज. फुर-फुर
7. उ॰ 1. नल, घर, रथ 2. सड़क, महल, मटर 3. थरमस, दमकल, शलजम 4. काम, राम, नाम 5. किताब, किवाड़, किला
   6. दीवार, चीता, दरी 7. साबुन, गुलाब, चुहिया 8. जूता, रूमाल, मूली

फ्लोरेंस भाषा भारती Part-3 Lesson-1 — page-5

1. उ॰ क. सारा जहाँ भगवान ने बनाया है।
ख. बच्चे भगवान से पढ़ लिखकर महान बनने का वरदान माँग रहे हैं।
ग. भगवान को ईश्वर, ईसा, अल्लाह रब आदि नामों से पुकारा जाता है।

Lesson-3 — page-8

1. उ॰ वृक्ष नृप गृह अमृत कृषक कृष्ण पृष्ठ नृत्य पृथ्वी
2. उ॰ मृग वृक्ष नृप नृत्य गृह कृष्ण
3. उ॰ क. आकृति ख. कृषक ग. प्रकृति घ. वृक्ष ङ कृष्ण च. मृग, तृण

Lesson-4 — page-11

1. उ॰ सेब, केला, शेर, सपेरा, मेद्य, मेज़
2. उ॰ क. मेघा के भाइयों के नाम सुरेश और राजेश हैं। ख. राजेश ने मेले से जलेबी खरीदी। ग. मेघा सुरेश के लिए पेड़े लाई। घ. मेघा ने मेले से केले और पेड़े खरीदे। ङ राजेश ने सुरेश से कहा, केले खाकर छिलका कूड़ेदान में डाल देना। खेलने के समय खेल। पढ़ने के समय पढ़। सुलेख लिख।
3. उ॰ क. रेल ख. बेर ग. जेब

Lesson-6 — page-13

1. उ॰ बैल, तैराक, सैनिक, गैस, गैया, थैला।
2. उ॰ क. मैना को शैलेश लाया है। ख. मैना नैनीताल से आई है। ग. मैना डाल-डाल पर बैठ कर मीठे गीत सुनाकर सबका मन बहलाती है। घ. बच्चों के शैतानी करने पर मैना फुर-फुरकर उड़ जाती है।
3. उ॰ थैला मैदान गैस बैलगाड़ी
4. उ॰ मैदान – हम मैदान में खेलते हैं। कैलाश– कैलाश अच्छा बच्चा है।
बैजू – मेरे दोस्त का नाम बैजू है। तैयार – हम प्रतिदिन तैयार होकर विद्यालय जाते हैं।
पैर – जानवरों के चार पैर होते हैं। हैरान – कल बाजार में सीता को देखकर मैं हैरान रह गई।
कैसे – यह प्रश्न का हल तुमने कैसे निकाला।

Lesson-7 — page-17

1. उ॰ टोपी, खरगोश, ढोलक, नोट, घोड़ा
2. उ॰ चोर लोटा काटो लोभ कोयल घोड़ा होली समोसे तोता
3. उ॰ क. तोते की चोंच का रंग कैसा होता है? ख. तोता बागों में जाता है। ग. तोता मीठे फल खाता है। घ. तोते का रंग हरा होता है और चोंच लाल होता है। ङ तोता मीठे बोल सुनाता है।
4. उ॰ होली – होली रंगों का त्योहार है। अशोक– राजा अशोक ने बौद्ध धम्र अपनाया।
गोपाल – श्रीकृष्ण को गोपाल भी कहते हैं। मनोज – मनोज कुमार बहुत बड़े हीरो थे।
कोमल – कोमल मेरी दोस्त है। मोहिनी – भारत के एक शास्त्रीय नृत्य का नाम मोहिनी अट्टम है।
समोसे – आज हमने गर्म समोसे खाए।

Lesson-8 — page-20

1. उ॰ तौलिया नौका चौकीदार कौआ बिछौना चौबीस
2. उ॰ शोक, शौक गोर, गौर ओर, और खोल, खौल गोरव, गौरव कोड़ी, कौड़ी

3. उ॰ क. मौसी पकौड़ी और खिलौने लाई थी। ख. सौरभ के पास पकौड़ी थी। ग. छत पर काला कौआ बैठा था।
घ. खिलौना कौआ ले गया।

Lesson-9 — page-23

1. उ॰ कंघा घंटी शंख बंदर चंदा हंस
2. उ॰ अंगूर पतंग अंडा मंगल घंटा हंस
3. उ॰ क. घंटा ख. सुंदर ग. घंटाघर घ. मंगल

Lesson-11 — page-26

1. उ॰ साँप नमः चाँद प्रातः मुँह पाँच
2. उ॰ क. हमारा गाँव पाँच मील दूर है। ख. सूरज ऊषाः काल में उगता है। ग. पहाड़ पर शनैः शनैः चढ़ना चाहिए।
घ. रानी अंतःपुर में रहती है।
3. उ॰ क. ताँगे ख. आँधी ग. मदद घ. प्रातःकाल ङ अंतःपुर

Lesson-12 — page-28

1. उ॰ सूर्य नर्स दर्पण वर्षा बर्फ सर्प
2. उ॰ क. निर्भय बाज़ार जा रहा था। ख. एकाएक कार्तिक का हाथ बहक गया। ग. कार्तिक निर्भय से टकराया।
घ. साइकिल दूर जा गिरी।
3. उ॰ क. सर्प ख. सूर्य ग. नर्स घ. वर्षा ङ दर्पण च. बर्फ

Lesson-13 — page-30

1. उ॰ छत्र मित्र पत्र ब्रश ट्रक फ्रॉक
2. उ॰ क. विक्रम के पिता पत्रकार हैं। ख. चक्रेश के पिता चित्रकार हैं। ग. चक्रेश के पिता जीव जुतुओं के चित्र बनाते हैं।
घ. विक्रम ने चक्रेश को पत्र लिखा। ङ विक्रम ने इत्र मँगवाया।
3. उ॰ क. चक्रेश ख. चित्रकार ग. परिश्रमी घ. विक्रम, चक्रेश

Lesson-14 — page-32

1. उ॰ रस्सी सुग्गा गुब्बारा दुपट्टा गद्दा उल्लू
2. उ॰ क. कुत्ता, बिल्ली ख. गुब्बारा ग. रस्सी घ. पत्ते
3. उ॰ क. बच्चा – राम अभी बच्चा है।
ख. सच्चा – हमें सदा सच्चा और मीठा बोलना चाहिए
ग. सज्जन – हरिप्रसाद एक सज्जन व्यक्ति है।
घ. मक्का – मक्का की रोटी और सरसों का साग पंजाब का पसंदीदा भोजन है।
ङ लट्टू – राधेश्याम सारा दिन लट्टू से खेलता है।
च. उल्लू – उल्लू रात को जागता है।

Lesson-15 — page-34

1. उ॰ ज्वाला भक्त ध्वज पुष्प द्वार पुस्तक
2. उ॰ क. अंजलिए पुष्प ख. अय्यप्पा, भक्त ग. सरस्वती, अर्पण
3. उ॰ क. सरस्वती आंध्र प्रदेश में रहती है। ख. वह भगवान ब्रह्मा, विष्णु और अय्यप्पा की भक्त है। ग. सरस्वती की अंजुलि में पुष्प है। घ. सरस्वती भगवनरन को पुष्प अर्पण करेगी।

Lesson-16 — page-36

1. उ॰ क. हम भारत माता की संतान हैं। ख. हमारे देश में अनेक धर्मों के लोग रहते हैं। ग. हमारे देश में हिमालय, विंध्या और सतपूड़ा नामक बड़े-बड़े पहाड़ हैं। घ. हमारे देश में गंगा, यमुना, कृष्णा, गोदावरी आदि कई नदियाँ हैं। ङ हम धरती की गोद में खेलते हैं। च. मातृभूमि की रक्षा करना हमारा परम धर्म है।
2. उ॰ क. यहाँ की धरती पर अनेक फसलें होती हैं। ख. हम इसे धरती माता और मातृभूमि भी कहते हैं। ग. मातृभूमि स्वर्ग से भी महान है। घ. इसकी रक्षा करना हमारा परम कर्तव्य है।

फ्लोरेंस भाषा भारती Part-4

Lesson-1 — page-6

1. उ॰ (विद्यार्थी स्वयं करें।)
2. उ॰ क. बच्चे भगवान से शुद्ध प्रकाश, स्वच्छ दृष्टि और अच्छी बुद्धि माँगते हैं। ख. बच्चे राष्ट्र उत्थान की भावना रखते हैं। ग. बच्चे जाति पाँति का भेदभाव खत्म करना चाहते है। घ. बच्चे राष्ट्र की उन्नति की कामना कर रहे हैं। ङ बच्चे स्वयं को तुच्छ और दु:विचार वाले समझते हैं।
2. उ॰ तुच्छ हमारा मन है दाता,
दु:विचार सब दूर करो।
प्रेरित हो हम केवल तुमसे,
पथ प्रकाशित हमारा करो।।

Lesson-2 — page-8

1. उ॰ क. बारहसिंगा जलाशय पर पानी पीने के लिए गया। ख. पानी में पतली-दुबली टाँगों को देखकर बारहसिंगा उदास हो गया। ग. सिंह से अपने प्राण बचाने के लिए वह सरपट दौड़ो। घ. बारहसिंगे का सींग एक झाड़ी की टहनी में फँस गया इसलिए वह स्वयं को झाड़ी से नहीं छुड़ा पाया। ङ बारहसिंगे को अफसोस इसलिए हुआ क्योंकि वह पहले सींगों की प्रशंसा और टांगों की बदसूरती की निंदा कर रहा था। परंतु अब टांगों की वजह से वह सरपट दौड़ा परंतु सींगों की वजह से झाड़ी में फंसकर उसे अपनी जान गँवानी पड़ी। च. अंत मं बारहसिंगे को अपने सुंदर सींगों के कारण अपनी जान गँवानी पड़ी।
2. उ॰ क. ✗ ख. ✓ ग. ✗ घ. ✓ ङ ✗
3. उ॰ इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि जो वस्तु मुसीबत में काम आए वही प्रशंसनीय है।
4. उ॰ क. पानी पीने ख. सींगों ग. दुर्भाग्यवश घ. सिंह
5. उ॰ (विद्यार्थी कंठस्थ करें)

Lesson-3 — page-11

1. उ॰ क. हमारा राष्ट्रीय पक्षी मोर है। ख. मोर की पूँछ भारी होती है और इसकी पूँछ के ऊपर रंग बिरंगे सुंदर पंख होते हैं। ग. बादलों को देखकर मोर बहुत खुश होता है और मग्न होकर नाचता है। घ. मोर के पंखों पर चाँद के आकार के चिह्न बने होते हैं। ङ मोर नरम फल, अनाज के दाने, कीड़े-मकोड़े तथा साँप खाता है। च. भगवान श्री कृष्ण ने मोर के पंखों को धारण किया था।
2. उ॰ क. राष्ट्रीय ख. नीला ग. कलगी घ. वर्षा ङ श्रीकृष्ण च. शिकार
3. उ॰ कलगी पक्षी मुकुट हरियाली चिह्न आकार
4. उ॰ क. मोर की गर्दन लंबी व मोटी तथा पूँछ भारी होती है। ख. ग्रामीण लोग दीपावली पर मोर की पूजा करते हैं। ग. मोर को नाचता देखकर बच्चे व बड़े सभी बहुत प्रसन्न होते हैं। घ. मोर अधिक ऊँचाई तक नहीं उड़ पाता।

Lesson-4 — page-14

1. उ॰ क. गाँधीजी का पूरा नाम मोहन दास करमचंद गाँधी था। ख. बापूजी ने भारत से अंग्रेजों को भगाया। ग. बापूजी ने सबको प्रेम का पाठ पढ़ाया। घ. सब बापूजी को राष्ट्रपिता कहते हैं।

2. उ॰ क. सीधे–सादे, सोटी वाले
खद्दर और लंगोटी वाले।
मोहनदास करमचंद गाँधी,
पूरा था ये उनका नाम।

ख. कहते राष्ट्रपिता सब उनको,
नैनों में बसाया सबने उनको,
प्यारा–प्यारा उनका नाम,
प्यारे बापूजी को प्रणाम।

3. उ॰ क. नाम ख. मोटी ग. दिखाया घ. सिखलाया

Lesson-5 — page-15

1. उ॰ क. नेताजी सुभाष चंद्रबोस का जन्म 23 जनवरी, सन् 1897 ई॰ मं ओड़िशा प्रांत के 'कटक' नगर में हुआ था। ख. नेताजी के पिताजी का नाम जानकीदास बोस था। ग. नेताजी की प्राथमिक शिक्षा कटक में हुई। घ. नेताजी की फौज़ का नाम 'आज़ाद हिंद फौज़' था। ङ नेताजी ने लोगों से कहा, "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आज़ादी दूँगा।"

2. उ॰ क. वकील ख. आज़ादी ग. आज़ाद घ. खून, आज़ादी

3. उ॰ पत्ते कुत्ते तोते बच्चे चिड़ियाँ चूहे डिब्बे झंडे

Lesson-6 — page-18

1. उ॰ क. तितली का स्वभाव भोला–भाला और प्यारा होता है। ख. तितली के पंख सुंदर और रंग रंगीले होते हैं। ग. तितली को फूल अच्छे लगते हैं। घ. जो फूल तोड़ते हैं, वो सबको गंदे लगते हैं।

2. उ॰ क. अच्छे ख. भोली ग. बागो घ. सुंदर

3. उ॰ फूल तुम्हें भी अच्छे लगते,
फूल हमें भी भाते हैं।
वो तुमको कैसे लगते,
जो फूल तोड़ ले जाते हैं।

4. उ॰ क. बैल ख. हथिनी ग. घोड़ी घ. पापा ङ बहिन च. चाची

Lesson-7 — page-20

1. उ॰ क. पशुओं और पक्षियों के बीच युद्ध हुआ। ख. युद्ध में चमगादड़ों ने मक्कारी दिखाई। ग. किसी भी पक्ष ने चमगादड़ों को स्वीकार नहीं किया। घ. पशुओं ने चमगादड़ों को पक्षियों की ओर से लड़ते देखा था इसलिए पशुओं ने चमगादड़ों को नहीं अपनाया। ङ अंत में चमगादड़ों को किसी ने नहीं अपनाया और फलतः वह अकेले रह गए।

2. उ॰ क. भिड़ंत ख. मक्कारी ग. पशुओं घ. अपनाने ङ चमगादड़

3. उ॰ क. अच्छा करो, अच्छा पाओ– हमेशा अच्छे कर्म करने चाहिए। राम ने मुसीबत के समय श्याम की मदद की और आज राम ने उसकी। यह तो वही बात हुई अच्छा करो, अच्छा पाओ।

ख. जैसी करनी, वैसी भरनी– जैसा करोगे वैसा ही फल पाओगे। जब राम का साथ किसी ने नहीं दिया तो सभी बोलने लगे कि जैसी करनी वैसी भरनी।

ग. अंत भला तो सब भला– यदि किसी चीज़ का नतीज़ा अच्छा हो तो सब सही होता है। जब हुत सारे इलाज और पैसा लगाने के बाद राम की बीमारी ठीक हो गई तो सब यही कहने लगे कि अंत भला तो सब भला।

घ. कर बुरा, हो बुरा– गंदे काम का नतीज़ा गंदा ही होता है। जब घनश्याम झूठी ग्वाही देकर कचहरी से बाहर निकला और वह कार दुर्घना में घायल हो गया तो सभी कहने लगे कि कर बुरा, हो बुरा।

ङ जैसे को तैसा– जब सुरेश के पैसे रमेश ने दबाए तो सभी कहने लगे कि उसने राधा के पैसे मारे थे इसलिए ऐसा हुआ। यह तो वही बात हुई कि जैसे को तैसा।

च. बिन सेवा मेवा नहीं मिलता– बिना कर्म किए फल नहीं मिलता। जब रामलाल के पिताजी अपनी सारी संपत्ति सिर्फ उसी के नाम कर दी तो सभी कहने लगे कि बिन सेवा मेवा नहीं मिलता।

छ. अपने किए को भुगतो– अपने बड़ों का कहना न मानकर आज हरिप्रसाद बहुत पछता रहा है यह तो वही बात हुई कि अपने किए को भुगतो।

4. उ॰ इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें कभी भी मक्कारी नहीं करनी चाहिए। यदि हम बेइमानी करेंगे तो कोई भी हमारा साथ नहीं देगा।

Lesson-8 — page-23

1. उ॰ क. हमारा झंडा राष्ट्र के सम्मान का प्रतीक है। ख. भारतीय झंडे में तीन रंग होने के कारण इसे तिरंगा झंडा कहते हैं। ग. केसरिया रंग– त्याग की भावना का प्रतीक है। सफेद रंग– शांति का प्रतीक है। हरा रंग– हरियाली और समृद्धि का प्रतीक है। घ. झंडे में दिया गया चक्र सत्य, अहिंसा, न्याय और धर्म का प्रतीक है। ङ स्वतंत्रता दिवस गणतंत्र दिवस आदि राष्ट्रीय त्योहारों पर झंडे को सलामी दी जाती है।

2. उ॰ क. सम्मान ख. चौबीस ग. गणतंत्र घ. स्वतंत्रता

3. उ॰ सदी मारा पीला डंडा खाती अब

Lesson-9 — page-25

1. उ॰ क. गडरिया भेड़ चराने जंगल में जाता था। ख. गडरिये ने यह झूठ बोला कि भेड़िया आया। ग. हाँ। लोग उसकी सहायता के लिए आए। घ. भेड़िये के आने पर सबलोगों ने सोचा कि वह झूठ बोल रहा है। इसलिए वह चुप बैठ गए। ङ इस कविता से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें कभी भी झूठ नहीं बोलना चाहिए।

2. उ॰ बाल गया पास मान जगा सच्चे

Lesson-10 — page-27

1. उ॰ क. ऋषि मुनियों ने कहा कि राजा–रानी दोनों मिलकर हल चलाएँ तो वर्षा अवश्य होगी। ख. जमीन में से राजा रानी को एक घड़ा मिला जिसमें से एक कन्या निकली। ग. सीता के विवाह के लिए राजा जनक ने भगवान शंकर के धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाने की शर्त रखी। घ. राजा जनक की शर्त को श्रीराम ने पूरा किया। ङ श्रीराम के विवाह के साथ–साथ उनके भाई भरत, लक्ष्मण व शत्रुघ्न का भी विवाह हुआ।

2. उ॰ क. अकाल ख. सीता ग. डोरी, धनुष घ. सीता

3. उ॰ क. राजा के हल का फल एक घड़े से जा टकराया।

ख. स्वयंवर में भाग लेने के लिए दूर–दूर से राजा आए।

ग. श्रीराम अपने गुरु विश्वमित्र के पास उनकी रक्षा करने के लिए आए थे।

घ. कोई भी राजा धनुष को नहीं हिला पाया।

ङ धनुष टूटते ही श्रीराम की जय जयकार होने लगी।

Lesson-11 — page-30

1. उ॰ क. डाकघर जनता की सेवा करता है।

ख. डाक द्वारा हम कार्ड, लिफाफ़ा, अंतर्देशीय पत्र, अंतर्राष्ट्रीय पत्र, स्पीड पोस्ट, मनी आर्डर पार्सल आदि भेज सकते हैं।

ग. पत्र लिखकर, लिखने वाला उसे डाक पेटी में डालता है। डाकघर के कर्मचारी उसे डाक पेटी से निकालकर डाकघर पहुँचाते हैं।

वहाँ उन पर मोहर लगाई जाती है तथा उन पर लिखे पतों के अनुसार अलग-अलग थैलियों में रखा जाता है। वहाँ से वे थैलियों बस, रेल और हवाई जहाज़ के द्वारा उन पर लिखे राज्यों तक पहुँचा दी जाती है। वहाँ का डाकिया उन पत्रों को सही पते पर पहुँचा देता है।

घ. डाकघर द्वारा शुरु की गई नई सुविधा स्पीड पोस्ट है।

ङ हाँ, डाकघर द्वारा रुपये पैसों का लेन-देन भी संभव है। हम डाकघर में पैसे भी जमा कर सकते है। और आवश्यकता पड़ने पर पैसे निकाल भी सकते हैं। डाकघर हमारी जमा राशि पर हमें ब्याज भी देता है।

2. उ० क. ✓ ख. ✓ ग. ✗ घ. ✗ ङ ✓

3. उ० क. डाक पेटी ख. कर्मचारी ग. थैलियों घ. स्पीड पोस्ट ङ जमा राशि

4. उ० लिफाफ़ा – हमें कागज का लिफाफ़ा प्रयोग करना चाहिए।
मोहर – कल मैंने अपने जन्म के सर्टिफिकेट की फोटोकॉपी पर सरकारी अफसर की मोहर लगवाई।
थैली – आजकल प्लास्टिक की थैली पर पाबंद है।
डाक-पेटी – पत्र डाक पेटी से डाकघर के कर्मचारी निकालते हैं।

5. उ० मानव निर्भय अप्रसन्न छाँव उजाला पतझड़

Lesson-12 — page-33

1. उ० क. जग में रोशनी सूरज फैलाता है। ख. इलाहाबाद में तीन नदियों का संगम है। ग. भारत में चार धर्म हैं। घ. भारतवर्ष में छह ऋतुएँ हैं। ङ अंतरिक्ष में नौ ग्रह हैं।

2. उ० दीन पात भार बेल पाँच मेल

3. उ० क. सूरज चमके नम में एक, चंदा भी है गगन में एक।
ख. लड़े धर्म पर पांडव पाँच, आती नहीं साँच को आँच।
ग. नौ ग्रहों का देखो खेल, चलती रहे अंतरिक्ष में रेल।

4. उ० क. लड़के ख. रातें ग. नदियाँ घ. बिल्लियाँ ङ अंगुलियाँ च. ऋतुएँ

Lesson-13 — page-35

1. उ० (विद्यार्थी कंठस्थ करें।)

2. उ० क. नई ख. अस्वस्थ ग. पुरुस्कार घ. काला ङ मालिक

Lesson-14 — page-36

2. उ० क. कुर्सियाँ ख. चूड़ियाँ ग. अंगूरों घ. पेंसिलें ङ चीज़ों

Lesson-15 — page-37

1. उ० राजा – (रानी) झाँसी की रानी बहुत बहादुर थीं। शेर – (शेरनी) कल मैंने चिड़ियाघर में सफेद शेरनी देखी।
पुत्री – (पुत्र) श्रीराम राजा दशरथ के पुत्र थे। बेटी – (बेटा) राम का बेटा हरिप्रसाद है।

2. उ० 1. भाई 2. अध्यापिका 3. बहन

Lesson-16 — page-38

1. उ० क. सूर्य, पुष्प ख. दिवा, रात्री ग. चंद्र घ. भ्राता, गृह ङ कुसुम नेत्रों

फ्लोरेंस भाषा भारती Part-5 Lesson-1 — page-7

1. उ॰ क. बालकों के हाथ में ध्वज़ है। ख. कवि ध्वज़ा को झुकाने से मना कर रहा है। ग. बालकों के रास्ते में पहाड़, सिंह, मेघ, बिजली, प्रात: और रात बाधाएँ हैं। घ. कवि बालकों से सूर्य और चंद्र के समान बढ़ने के लिए कह रहा है।

2. उ॰ क. हाथ में ध्वज़ा रहे, ख. प्रात: हो कि रात हो,
बाल दल सजा रहे। संग हो न साथ हो।
ध्वजा कभी झुके नहीं, सूर्य से बढ़े चलो,
दल कभी रुके नहीं। चंद्र से बढ़े चलो।

3. उ॰ डरपोक आसमान कायर रात

4. उ॰ (विद्यार्थी स्वयं करें।)

Lesson-2 — page-9

1. उ॰ क. सारस एक गेहूँ के खेत में रहता था।
ख. गाँव वालों के द्वारा फसल कटवाने की बात सुनकर सारस इसलिए नहीं घबराया क्योंकि तब तक किसान दूसरों के भरोसे था, इसलिए फ़सल कटने की कोई उम्मीद नहीं थी।
ग. जब किसान स्वयं फ़सल काटना चाहता था तब सारस अपने बच्चों के साथ उड़ गया क्योंकि उसे पता था कि अब फ़सल अवश्य कट जाएगी।
घ. अंत में सारस ने बच्चों को बताया कि जब तक किसान दूसरों के भरोसे था, फ़सल कटने की कोई उम्मीद नहीं थी। किंतु अब किसान ने स्वयं फ़सल काटने का निर्णय किया है तो वह अवश्य कल फ़सल काटना प्रारंभ कर देगा।
ङ इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें अपना काम स्वयं करना चाहिए।

2. उ॰ क. सारस के बच्चों ने सारस से कहा। ख. सारस ने सारस के बच्चों से कहा। ग. किसान ने बच्चों से कहा।

3. उ॰ क. गेहूँ ख. अन्न ग. अँधेरा घ. फ़सल ङ सुरक्षित

4. उ॰ क. गाँव, गेहूँ, अँधेरा ख. किंतु, नहीं, चिंता

5. उ॰ बच्चे बेटे फ़सले पतंगें

Lesson-3 — page-12

1. उ॰ क. लोमड़ी और सारस एक जंगल में नदी किनारे रहते थे।
ख. सारस बहुत भोला-भाला था परंतु लोमड़ी चालाक थी।
ग. दावत वाले दिन लोमड़ी ने सारस के लिए खीर थाली में परोसी। सारस खीर नहीं खा पाया। सारी खीर लोमड़ी चट कर गई।
घ. सारस ने खीर सुराहीदार बर्तन में परोसी। सारस ने खीर बड़ी सुविधापूर्वक खाई परंतु लोमड़ी नहीं खा पाई।
ङ सारस की बात सुनकर लोमड़ी को अपने किए पर पछतावा हुआ।
च. इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें दूसरों के साथ हमेशा अच्छा व्यवहार करना चाहिए ताकि हमें दूसरों से अच्छा व्यवहार ही प्राप्त हो।

Lesson-4 — page-14

1. उ॰ क. खरगोश और कछुए के बीच कहा-सुनी तेज़ दौड़ने के ऊपर हुई। ख. विजयी चिह्न दूर एक पेड़ पर बनाया गया ताकि जो भी दौड़ कर पहले उस चिह्न तक पहुँचे वही विजयी घोषित हो। ग. पेड़ की छाँव के नीचे ठंडभ हवा के झोंके से खरगोश को नींद आ गई। घ. दौड़ में जीत कछुए की हुई। ङ हारने पर खरगोश चुपचाप किसी दूसरे स्थान पर चला गया।

2. उ॰ क. ✗ ख. ✗ ग. ✓ घ. ✗ ङ ✓

3. उ॰ क. खरगोश ख. दौड़ ग. छलाँगें घ. निश्चित ङ घमंड

Lesson-5 — page-18

1. उ॰ क. डॉ॰ ए॰ पी॰ जे॰ अब्दुल कलाम का पूरा नाम डॉ॰ अब्दुल पकीर जैनुलाबदीन अब्दुल कलाम है।
   ख. डॉ॰ क्लाम का जन्म 15 अक्टूबर, 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम् में हुआ।
   ग. डॉ॰ क्लाम ने स्नातक की उपाधि मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से हासिल की।
   घ. उन्होंने 'अग्नि' और 'पृथ्वी' मिसाइल का परीक्षण किया। उन्हें 'मिसाइल मैन ऑफ इंडिया' कहा जाता है।
   ङ उन्होंने विंग्स ऑफ फॉयर, भारत 2020, मेरी यात्रा और इगनीटेड माइंड पुस्तकें लिखी।
2. उ॰ क. ✓ ख. ✗ ग. ✗ घ. ✗
3. उ॰ क. दिलासा ख. भाग्य ग. गरीब घ. सादगी

Lesson-6 — page-21

1. उ॰ क. शिकारी कौओं का शिकार अपने शौक के लिए करते थे।
   ख. कौओं का सरदार बहुत समझदार और बहादुर था।
   ग. कौओं ने एक साथ शिकारियों पर हमला किया। कौओं ने उनकी आँखों पर हमला बोल दिया।
   घ. कौओं की जीत का कारण कौओं की एकता था।
   ङ इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि एकता में बल होता है।
2. उ॰ क. एक कौए ने कहा। ख. दूसरे कौए ने कहा। ग. सरदार कौए ने कहा। घ. सरदार कौए ने कहा।
3. उ॰ क. सभा – कल मैंने अपने क्षेत्र की सफाई सभा में भाग लिया। ख. एकता – एकता में बल होता है।
   ग. मुकाबला – हमें हमेशा ईमानदारी से मुकाबला करना चाहिए। घ. झुंड – राम बकरियों के झुंड को चराता है।
4. उ॰ क. एक जंगल में कौओं का एक झुंड रहता था। ख. कौओं का सरदार समझदार और बहादुर था। ग. सरदार ने हमला करने की योजना बनाई। घ. पत्तों के पीछे छिपे कौओं ने एक साथ हमला कर दिया। ङ कौओं ने शिकारियों का शिकार किया।
5. उ॰ एक जंगल में एक बार जब कुछ शिकारी कौओं का शिकार करने आए तो कौओं ने अपने सरदार की शिक्षा को मानकर एकजुट होकर उन पर हमला बोल दिया। जिससे सभी शिकारी डर कर अपनी जान बचाकर वहाँ से भाग गए और कौओं की एकता ने उनकी रक्षा की।

Lesson-7 — page-24

1. उ॰ क. विज्ञान की अद्‌भुत खोज कंप्यूटर है।
   ख. कंप्यूटर शब्द का अर्थ– 'हिसाब लगाने वाला' है।
   ग. सबसे पहले कंप्यूटर सन् 1642 ई॰ में बना।
   घ. कंप्यूटर के जन्मदाता चार्लस बेबेज़ थे।
   ङ आज कंप्यूटर सभी कार्यालयों, कारखानों, हवाई अड्डों और अंतरिक्ष में भी मदद कर रहे हैं।
   च. हम कंप्यूटर द्‌वारा अपने पाठों को सही तरह से समझते हैं और उस पर आधारित विभिन्न जानकारियाँ भी इंटरनेट की मदद से निकालते हैं।
2. उ॰ क. ✓ ख. ✓ ग. ✓ घ. ✗ ङ ✓
3. उ॰ क. ब्लेज़ पासकल ने छोटे–छोटे पहियों का यंत्र बनाया।
   ख. हेप्रखान नाम से कंप्यूटर ट्रांसमीटर प्रणाली बनाई गई।
   ग. माइको प्रोसेसर चिप का कंप्यूटर विकास में महत्त्पूर्ण योगदान है।
   घ. कंप्यूटर के सॉफ्टवेयर में अनेक भाषा के वर्ण होते हैं।

4. उ॰ क. विवस ख. जनक ग. पुष्प, सुमन घ. अनल, अग्नि

Lesson-8 — page-28

1. उ॰ क. कदम-कदम पर प्रजाजन खड़े थे। ऐसे में रथ चलाना मुश्किल हो रहा था। इसलिए राजा कृष्णदेव राय ने पैदल चलने का निर्णय किया।
ख. राजा को पाग बहुत स्वादिष्ट लगा और ताज़ा-ताज़ा ठंडा पानी पीकर राजा की थकान दूर हो गई।
ग. रात को तेनालीराम और राजा भेष बदलकर भड़भूजिन की दुकान की ओर चले।
घ. राजा को भड़भूजिन की दुकान पर पाग का स्वाद वही पहले जैसा स्वादिष्ट लगा।
ङ तेनालीराम ने यह तर्क दिया कि मेहनत करने के बाद जब जोरों की भूख लगी हो, तो सूखे पत्ते भी पकवान लगते हैं।
2. उ॰ क. तेनालीराम ने राजा से कहा। ख. राजा ने तेनालीराम से कहा।
3. उ॰ क. ✓ ख. ✗ ग. ✓ घ. ✗ ङ ✓
4. उ॰ मन-मोहना – किसी का मन-मोहना आसान नहीं होता।
नगर-भ्रमण – राजा कृष्णदेव राय जनका का हाल पता करने के लिए नगर भ्रमण करते थे।
तरो ताज़ा होना – हमें रोज सुबह नहाकर तरोताज़ा होना चाहिए।

Lesson-9 — page-30

1. उ॰ क. बच्चे सूरज, सरिता, चंदा, बादल, बगिया और अच्छे बच्चे बनना चाहते हैं।
ख. नदी बनकर बच्चे अपनी धरती और उपवन को सींच कर महकाना चाहते हैं।
ग. सूरज बनकर फैल रहा अँधियारा मिलकर दूर करना चाहते हैं।
घ. चाँद बनकर बच्चे चंद्र किरण बनकर शीतलता करना चाहते हैं।
ङ अच्छे बच्चे राग द्वेष की बातें छोड़ सबको गले लगाते हैं।
2. उ॰ क. अपनी धरती, इस उपवन को,
सींच सींच महकाएँ,
आओ! हम सरिता बन जाएँ।
ख. खिले चमन के फूलों जैसे,
सौरभ सदा लुटाएँ,
आओ! हम बगिया बन जाएँ।
3. उ॰ क. इस कविता में बच्चा एक अच्छा नागरिक बनकर सबकी मदद करना चाहता है ताकि कहीं भी किसी चीज़ का कोई अभाव नहीं रहे।

Lesson-10 — page-32

1. उ॰ क. सर्वप्रथम रुपया शेरशाह सूरी ने जारी किया था।
ख. बैंक ऑफ हिंदुस्तान और जनरल बैंक ऑफ बंगाल एंड बिहार ने पहली बार छपे नोट जारी किए थे।
ग. इंग्लैंड की पौंड और अमेरिका की डॉलर अधिकारिक मुद्रा है।
घ. सिक्कों के परिवार में पचास पैसे, एक रुपया, दो रुपये, पाँच रुपये व दस रुपये के सिक्के हैं तथा कागज़ के नोटों में एक रुपया, दो रुपये, पाँच रुपये, दस रुपये, बीस रुपये, पचास रुपये, सौ रुपये, पाँच सौ रुपये व हजार रुपये के कुल नौ सदस्य हैं। भारतीय रुपये पर अशोक चिह्न और महात्मा गाँधी का चित्र अंकित है।
ङ भारतीय रुपये पर अशोक चिह्न और महात्मा गाँधी का चित्र अंकित है।
2. उ॰ अनेक नीचे अमीर पीछे कम बाएँ
3. उ॰ क. रुपया भारत की अधिकारिक मुद्रा है। ख. पूरे विश्व भर में सभी लोग मुद्रा की चाहत रखते हैं। ग. भारतीय रुपये के कागज़ी परिवार में नौ सदस्य हैं। घ. रुपये के ऊपर अशोक चिह्न और महात्मा गाँधी का चित्र अंकित है। ङ मार्क जर्मनी की अधिकारीक मुद्रा है।

4. उ॰ क. सिक्का – (सिक्के) आज मेरे पास दो सिक्के हैं।
ख. गरीब – (गरीबों) अमीरों और गरीबों सभी को रुपये की चाहत होती है।
ग. अमीर – (अमीरों) हमारे देश के मुकेश अंबानी देश के दस सबसे अमीरों की सूची में आते हैं।
घ. चित्र – (चित्रों) राम चित्रों को जल्दी से पूरा कर रंग भरो।

Lesson-11 — page-37

1. उ॰ क. समरसिंह के घर उसका मित्र आया।
ख. समरसिंह के मित्र ने उसे मानसरोवर पर रहने वाले सफ़ेद हंस के दर्शन की सलाह दी।
ग. समरसिंह ने खेत में एक मज़दूर को गेहूँ चुराते हुए देखा।
घ. ग्वाला अपने लोटे में दूध डाल रहा था।
ङ इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि परिश्रम ही सफलता की कुंजी है।
2. उ॰ क. हाँ ख. नहीं ग. हाँ घ. नहीं ङ हाँ च. हाँ
3. उ॰ पुरुष बैल ग्वालिन मजदूरनी ठकुराइन

Lesson-12 — page-38

1. उ॰

दिल्ली
14/12/20.....

सेवा में,
प्रधान अध्यापकजी,
क ख ग पब्लिक स्कूल,
दिल्ली – 1
मान्यवर,

सविनय निवेदन यह है कि मुझे कल रात बहुत तेज़ ज्वर है। डॉक्टर ने दो दिन के आराम के लिए कहा है। इसीलिए मुझे दिनांक 14/12/20..... से लेकर 16/12/20..... तक अवकाश प्रदान करने की कृपा करें।

धन्यवाद।

आपका आज्ञाकारी छात्र,
सुब्बाराव,
कक्षा – पाँच 'अ'
क्रम संख्या – 9

2. उ॰

दिल्ली
14/12/20.....

सेवा में,
प्रधान अध्यापकजी,
क ख ग पब्लिक स्कूल,
दिल्ली – 1

मान्यवर,

सविनय निवेदन यह है कि हम पाँच भाई बहिन हैं। मेरे पिताजी की आमदनी 2000/- रुपया मासिक है। जिससे घर का खर्च बड़ी मुश्किल से चल पाता है। मैं हमेशा अपनी कक्षा में प्रथम आता हूँ। मेरे पिताजी मेरे विद्यालय की पूरी फीस भरने में असमर्थ हैं। इसलिए आपसे सविनय निवेदन है कि मेरी फीस माफ करने की कृपा करें।

मैं सदा आपका आभारी रहूँगा।

धन्यवाद।

आपका आज्ञाकारी छात्र,
सुब्बाराव,
कक्षा - पाँच 'अ'
क्रम संख्या - 9

Lesson-13 — page-40

1. उ॰ क. इस कहानी के अनुसार पक्षियों और कछुओं के बीच मित्रता थी।
   ख. हवा के तेज़ झोंके के कारण एक चिड़िया का घोंसला तालाब में जा गिरा।
   ग. हाँ, चिड़िया के बच्चों की जान बच गई। एक कछुए ने जब चिड़िया का घोंसला तालाब में गिरा देखा तो वह तुरंत घोंसले के पास गया और चिड़िया के बच्चों को अपनी पीठ पर बिठाकर सुरक्षित किनारे पर ले आया।
   घ. घोड़ों पर बैठकर आए मनुष्य कछुओं को पकड़कर बेचने के उद्देश्य से आए थे।
   ङ एक चिड़िया ने मनुष्यों की बातें सुन ली। उसने तुरंत कछुओं को बता दी और उन्हें उस रात तालाब पर वापिस आने से मना कर दिया।
   च. इस कहानी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें जरुरत के समय अपने दोस्तों की मदद करनी चाहिए।
2. उ॰ क. ✗ ख. ✓ ग. ✓ घ. ✗ ङ ✗ च. ✓
3. उ॰ क. तालाब में ख. कछुआ ग. मनुष्य घ. पक्षियों ने
4. उ॰ घोड़ी औरत बेटी मुर्गी चोरनी मालकिन
5. उ॰ घर – गृह, आवास, आलय भाई – भ्राता, बंधु रोशनी – प्रकाश, ज्योति, प्रभा

Lesson-14 — page-43

1. उ॰ क. कविता में बच्चा राजा-रानी की कहानी सुनने से इंकार कर रहा है।
   ख. बच्चा बहते पानी, झूमते झरने, हाथी, नाचते मोर, एक घाट जिसमें सब मिलकर पानी पीते हो, जंगल, पेड़, तोता, मैना, चिड़िया आदि की कल्पना कर रहा है।
   ग. इस कविता के द्वारा कवि हमारा ध्यान मनुष्य द्वारा प्रकृति के साथ किए जा रहे खिलवाड़ की ओर ले जाना चाहता है।
   घ. कविता के अंतिम पद्य में जंगल, मैना, तोता आदि सब गायब होने के पीछे के कारण को पूछा गया है।
2. उ॰ क. इन पंक्तियों में कवि बच्चे के माध्यम से प्रकृति से जुड़ी कहानी सुनने की इच्छा प्रकट कर रहा है।
   ख. इन पंक्तियों में कवि बच्चे के माध्यम से प्रकृति को सहेजने की बात कर रहा है ताकि वह भावी पीढ़ियों तक संचित रह सके।
3. उ॰ क. रानी ने गाना गाया। ख. माली ने फूल तोड़ा है। ग. बच्चे बाग में खेल रहे हैं। घ. मोहन सोहन का मित्र है।

Lesson-15 — page- 45

1. उ॰ क. दीपावली हिंदुओं का प्रमुख त्योहार है।

ख. यह त्योहार प्रत्येक वर्ष कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाता है।

ग. दीपावली का त्योहार श्री रामचंद्र के अयोध्या वापस लौटने, श्रीकृष्ण के नरकासुर का वध करने और भगवान महावीर के मोक्ष प्राप्त करने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

घ. दीपावली शब्द का तात्पर्य दीवों की माला है।

ङ शाम के समय आतिशबाजी करने से वातावरण में फैले कीड़े-मकोड़े मर जाते हैं। उनकी समाप्ति से हम बीमारियों से दूर रह सकते हैं।

2. उ॰ वर्ष – साल प्रकाश – ज्योति, रोशनी, प्रभा विजय – जीत

4. उ॰ क. दीपावली हिंदुओं का प्रमुख त्योहार है। ख. सभी घरों में तरह-तरह के पकवान बनाए जाते हैं। ग. इसी दिन श्रीकृष्ण ने नरकासुर का वध किया था। घ. भगवान महावीर ने भी इसी दिन मोक्ष प्राप्त किया था। ङ शाम को आतिशबाजी होती है।